श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

मास्टर ऑफ जैनिज्म् प्रथम वर्ष-१

नोव्हेंबर - 2024

द्वितीय सत्र

प्रश्न - पत्र

गुणांक - ५०

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा। २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें। ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे। ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है। ५. गलत एनरोलमेन्ट नंबर तथा नहीं समझे ऐसे एनरोलमेन्ट नंबर के १० अंक कम कर लिये जायेंगे। ६. समय पर ता. १५ मे तक पेपर नही मिले तो दूसरे १० अंक कम किये जायेंगे। ७. निबंध के मार्क्स ग्रेड पद्धति से दिये जायेंगे। ८. जवाब पत्र, निबंध में नाम, एनरोलमेन्ट नंबर, वर्ष और सत्र लिखना जरुरी है। ९. जवाब तत्वार्थ सूत्र की अभ्यास पुस्तक के अध्याय ३ से ५ मेंसे लिखे जायेंगे।

प्रश्न नं. १ योग्य विकल्प ढूंढकर रिक्त स्थान की पूर्ति करो २५

१. धर्म अधर्म और आकाश ये तीन तत्व तो .... हैं।
२. .... किसी पर स्थित न होकर आत्म प्रतिष्ठित है।
३. अनेक प्रकार का लौकिक................सूर्य की गतिक्रिया से किया जाता है।
४. परमाणु आदि अनेक सूक्ष्म द्रव्य और उनके गुण................... होने से इन्द्रिय ग्राह्य नहीं है।
५. सब विमान तथा सिद्धशिला आदि आकाश में .... के कारण निराधार अवस्थित हैं।
६. भवनपति निकाय के धरण आदि नौ इन्द्रों की स्थिति .... है।
७. जो आकार में झालर के समान बराबर आयाम-विष्कम्भ वाला है वह............... है।
८. जीव द्रव्य..................... में अनन्त हैं।
९. सभी द्रव्यों में ....गुण नियामक पद भोगता है।
१०. विदेह और रम्यक वर्ष का विभाजक.................. है।
११. देवों में शरीर, वस्त्र और आभरण आदि की दीप्ति............... है।
१२. स्वभावतः................... देव इतने निर्दयी और कुतुहली होते है कि इन्हें दूसरों को सताने में ही आनन्द आता है।
१३. जीव का छोटे से छोटा आधार क्षेत्र................. भाग परिमाण होता है।
१४. अभेददृष्टि से पर्याय अपने अपने कारणभूत गुणस्वरुप और गुण द्रव्य स्वरुप होने से द्रव्य........... ही कहा जाता है।
१५. पुष्करवरद्वीप के ठीक मध्य मे किले की तरह गोलाकार............... नाम का एक पर्वत है।
१६. जो अल्प आरम्भवाली और अनिंद्य आजीविकावाले है वे.................. आर्य हैं।
१७. लोकमर्यादा के स्वभावानुसार................. सदा अपने आप घूमते रहते हैं।
१८. विषयरति से परे होने से................देवर्षि कहलाते हैं।
१९. परमाणु भी............... होने से मूर्त है।
२०. परिणाम के काल की पूर्वकोटि ज्ञात हो सके वह............... है।
२१. जो गुण केवलज्ञान गम्य ही है वे सभी .... है।
२२. स्थूलत्व परिणाम के अतिरिक्त कोई स्कंध............... होता ही नहीं।
२३. गतिशुन्य धर्मास्तिकाय आदि द्रव्यों में भी सदृशपरिणमनरुप क्रिया .... को मान्य है।
२४. नारको की आयु.............. होने के कारण जीवन जल्दी समाप्त नहीं होता।
२५. व्यवहार सिद्ध दिशा के नियम के अनुसार................ सात क्षेत्रों के उत्तरी भाग में अवस्थित है।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो। २५

१. सुख-दुःख आदि पर्याय जीवों में किसके द्वारा उत्पन्न होते हैं ?
२. मेघ आदि का संस्थान कैसा है ?
३. अप्रतिष्ठान नामक नरकावास किस नरकपृथ्वी में है ?
४. मित्र का काम करने वाले देव क्या कहलाते हैं ?
५. कौनसा द्रव्य प्रकाश की तरह संकोच विकासशील है ?
६. अतीत और अनागत समय के पर्याय कितने होते है ?
७. संमुर्च्छिम जीवों में पक्षियों की भवस्थिति कितने वर्ष है ?

८. अधोलोक में किनके निवास स्थान हैं ?
९. असुरकुमारों के आवास कैसे होते हैं ?
१०. एक द्रव्य में अनंत गुण किस रुप में होता हैं ?
११. सर्वतोभद्र यह किसका प्रकार है ?
१२. मध्यलोक के सभी द्वीप और समुद्र कौनसी आकृतिवाले है ?
१३. नागकुमार आदि के चिन्ह किसमें होते हैं ?
१४. कल्पातीत देव क्या कहलाते हैं ?
१५. जैन दृष्टि के अनुसार यह जगत पर्याय रुप नहीं किन्तु परिवर्तनशील होने पर भी कैसा है ?
१६. आत्मा किसके द्वारा भिन्न भिन्न उपयोग रुप में परिणत होता रहता है ?
१७. प्रत्येक समय में द्रव्यों का भिन्न भिन्न परिणाम रुप से उत्पन्न और नष्ट होना क्या है ?
१८. किस खंड में पर्वत तथा क्षेत्र जंबुद्वीप से दुगुने होते हैं ?
१९. तीर्थंकर कहाँ उत्पन्न होते हैं और धर्मप्रवर्तन करते हैं ?
२०. देवियों की पहुँच कौनसे स्वर्ग तक ही है ?
२१. दिन और रात्रि का तीसवाँ भाग क्या कहलाता है ?
२२. जहाँ धर्म - अधर्म द्रव्यों का संबंध न हो वह क्या है ?
२३. परमाणु द्रव्य कैसा होता है ?
२४. जो शब्द आत्मा के प्रयत्न से उत्पन्न होता है वह क्या है ?
२५. किस निकायों में त्रायस्त्रिंश और लोकपाल जाति के देव नहीं होते ।

प्रश्न नं. ३ विविध ग्रंथो की सहायता से तुम्हारे शब्दों में १५ से १७ पन्नो का महानिबंध लिखो (कोई भी एक)

१. देवलोक का सफर - (नीचे से उपर, व्यंतरादि, ज्योतिष्क, कल्पोपन्न, कल्पातीत, आयुष्य, भेद, चिन्ह, मैथुन, गति, परिग्रहादि)
२. षड्द्रव्य - (द्रव्य के भेद, कार्य, संबंध उपकार)
३. सातवास क्षेत्र - (खंड, पर्वत, द्वीप, कर्म, अकर्मभूमि, मनुष्य तिर्यंच की स्थिति, आर्य, म्लेच्छादि)

एम.जे. पार्ट -१ केन्द्रिय परिक्षा पत्र कैसा होगा ?

प्रश्न -१	रिक्त स्थान भरो	गुणांक - २०
प्रश्न -२	एक शब्द मे जवाब लिखो	गुणांक - २०
प्रश्न -३	नीचे के वाक्य सही या गलत बताईये	गुणांक - २०
प्रश्न -४	जोडियाँ लगाओ	गुणांक - २०
प्रश्न -५	एक वाक्य में व्याख्या लिखो	गुणांक - २०
	कुल	गुणांक - १००

निबंध के लिये नीचे मुजब ग्रेडिंग रहेगी

१) ४० मार्क्स के उपर A+ २) ३५ मार्क्स के उपर A ३) ३० मार्क्स के उपर B+ ४) २५ मार्क्स के उपर B
५) २० मार्क्स से कम C

उत्तर पत्र लिखे पते पर भेजिए : सौ. काश्मीरा विनोद लोडाया
शाह गोविन्दजी वीरम फेक्टरी कम्पाउन्ड, मोंढा रोड, औरंगाबद (महा.) ४३१ ००१
सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com